



## मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 20-01-2026

इटावा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-01-20 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-01-21	2026-01-22	2026-01-23	2026-01-24	2026-01-25
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	10.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	25.0	24.0	23.0	22.0
न्यूनतम तापमान(से.)	9.0	9.0	10.0	11.0	11.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	92	92	76	91	97
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	54	54	52	63	71
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	7	8	8	15	13
पवन दिशा (डिग्री)	336	347	310	101	69
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	6	4
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	कोई चेतावनी नहीं

### पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, पहले तीन दिनों में आसमान साफ़ रहेगा और बाकी दिनों में हल्के बादल छाए रहने के कारण, 24 जनवरी, 2026 को स्थानीय स्तर पर तेज़ हवाओं, गरज-चमक और बिजली गिरने के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान 22.0-25.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2-3°C ज्यादा रहने की संभावना है और न्यूनतम तापमान 9.0-11.0°C के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2-3°C ज्यादा रहने की संभावना है। सापेक्ष अर्द्धता की अधिकतम और न्यूनतम सीमा 76-97 और 52-71% के बीच रहेगी। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पूर्व से होगी और हवा की गति 7.0-15.0 किमी/घंटा के बीच रहेगी, जो सामान्य से 5-6 किमी/घंटा ज्यादा रहने की उम्मीद है।

### मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से मिले मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, 24 जनवरी, 2026 को हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

### मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए रबी की खड़ी फसलों में सिचाई एवं खरपतवारनाशी का छिड़काव स्थगित रखें। सरसों, चना, राजमा, मटर आदि फसलों को शीत लहर/पाला से बचाव के लिए सल्प्यूरिक एसिड 0.1 % 1 लीटर की दर से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ़ होने पर करें।

## सामान्य सलाहकार:

किसानों को सूचित किया जाता है कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए रबी की खड़ी फसलों में सिंचाई एवं खरपतवारनाशी का छिड़काव स्थगित रखें। सरसों, चना, राजमा, मटर आदि फसलों को शीत लहर से बचाव के लिए सल्प्यूरिक एसिड 0.1 % 1 लीटर की दर से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। व्यक्तियों को गर्म कपड़े पहननें और जितना संभव हो सके घर के अन्दर रहने, ठण्डी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें घने कोहरे में वाहन चलाते समय सुरक्षित परिवहन हेतु सड़क पर बनी पट्टिकाओं का अनुसरण अवश्य करें तथा रात के समय जूट के बोरे को पशुओं के ऊपर डाल दें और रात के समय जानवरों को खुले स्थान पर न बांधें।

## लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सूचित किया जाता है कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए रबी की खड़ी फसलों में सिंचाई एवं खरपतवारनाशी का छिड़काव स्थगित रखें।

## फसल विशिष्ट सलाह:

फसल		फसल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	गेहूँ की फसल में दूसरी सिंचाई बुवाई के 40-45 दिन बाद किल्ले निकलते समय तथा तीसरी सिंचाई बुवाई के 60-65 दिन बाद गाँठ बनने की अवस्था पर हल्की सिंचाई अवश्य करें तथा नत्रजन की एक तिहाई मात्रा की टॉपड्रेसिंग दूसरी सिंचाई के बाद ओट आने पर करें। गेहूँ की फसल में यदि सकरी व चौड़ी पत्ती वाले, दोनों प्रकार के खरपतवार दिखाई दे तो पहली सिंचाई के बाद ओट आने पर सल्फोसल्फुरान 75% डब्लू पी ३३ ग्राम/हेक्टेयर या मैट्रीब्यूजिन 70 %डब्लू पी 250 ग्राम / हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।	
सरसों	सरसों की फसल में दूसरी सिंचाई बुवाई के 55-65 दिन पर फूल निकलने के पहले करें। वातावरण में लगातार बादल छाए रहने से सरसों की फसल में माहूँ कीट की सम्भावना बढ़ जाती है अतः इसके रोकथाम हेतु क्लोरोपायरिफास 20% ई.सी. की 1.0 लीटर/हेतु अथवा मोनोक्रोटोफास 36% एस.एल. की 500 मिली०/हेतु की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।	
फील्ड पी	मटर की फसल में नमी की अधिकता कारण पत्तियों, तनों और फलियों पर सफेद चूर्ण की तरह फैले हुए बुकनी रोग की रोकथाम हेतु धूलन शील गंधक 80 % 2 किलोग्राम अथवा ट्राईडेमॉर्फ 80% ई.सी. 50 मिलीलीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।	
चना	चने की फसल में फूल आने के पहले एक सिंचाई अवश्य करें। समय से बोई गई चने की फसल में खुटाई का कार्य रोक दें। चने की फसल में कटुआ (कटवर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु क्लोरोपाइरीफोस 50% ईसी + साइपरमेथ्रिन 5% ईसी 2.0 लीटर/ हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।	

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी		बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की फसल में पछेती झुलसा रोग का प्रकोप दिखाई देने की सम्भावना हैं, अतः इसके रोकथाम हेतु मैकॉजेब (२.० ग्राम/लीटर पानी) अथवा 0.2 % डायथेन एम -45 (1.5 मिली०/लीटर पानी) का घोल बनाकर छिड़काव साफ मौसम में करें। यदि मौसम में नमी हो तथा बादल कई दिनों तक छाये रहे, तो आवश्कतानुसार 3-4 छिड़काव 10 - 12 दिन के अंतराल पर करें।	
प्याज	टमाटर की फसल में पछेती झुलसा और बैक्टीरियल बिल्ट रोग का प्रकोप दिखाई देने पर 10 लीटर पानी में 30 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोरोइड और 1 ग्राम स्ट्रॉटेसाइलिन का मिश्रण मिलाकर छिड़काव करें। सब्जिओं की फसलों में फल छेदक / पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे रहे हो तो इसके नियन्त्रण हेतु नीम आयल की १.५ मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर ३-४ छिड़काव ८-१० दिन के अंतराल पर करें। प्याज की नर्सरी में डैम्पिंग आफ (आर्द्र गलन) रोग दिखाई देने की संभावना है इसके रोकथाम हेतु थाइरम 2.5 ग्राम या मैकॉजेब 2.5 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। प्याज की संस्तुति प्रजातियाँ- कल्याणपुर लाल गोल, पूसा रतनार, एप्रीफॉउण्ड लाइट रेड , एक्स केलीवर, बरगण्डी, के पी, ओरिएन्ट , रोजी आदि में से किसी एक प्रजाति की नर्सरी डालें तथा तैयार पौध की रोपाई करें।	
आम	आम के बौर को झुलसा रोग के प्रकोप से बचाने हेतु मेन्कोजेब + कार्बन्डाजिम के 0.2 प्रतिशत घोल (2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी) या ट्राइफ्लोक्सीस्टोबिन 25 % + टेबूकोनाजोल 50% के घोल (0.25 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें। आम पौधों में अच्छी बौर प्राप्त करने हेतु एन.पी.के. मिश्रण 5 कि.ग्रा. प्रति 2000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें, यह 50 पैडों के लिये पर्याप्त है। आम के पौधों में पुष्प	

<b>बागवानी</b>	<b>बागवानी विशिष्ट सलाह</b>
	एवं पुष्प गुच्छ मिज कीट का प्रकोप दिखाई दे तो इसके नियन्त्रण हेतु डायमेथोएट (30 प्रतिशत सक्रिय तत्व) 2.0 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

### पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेस	मौसम में बदलाव की संभावना को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम के लिए टीका लगवायें। इस रोग से ग्रसित पशुओं के घाव को पोटैशियम परमैगेनेट से धोए। गर्भवती भैसों/गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधे। गर्भवती भैसों/गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। किलनी/जू के संक्रमण से बचाव हेतु पशुबाड़ों में चूने का छिड़काव करें ताकि किलनी/जू के अंडे व लार्वा नष्ट हो जाय। प्रजनन संबंधी समस्त रोगों के निराकरण हेतु पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि हरा चारा, भूसा, पशु आहार के अतिरिक्त खनिज लवण अवश्य खिलायें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में 2-3 बार अवश्य पिलायें। कृषकों/पशुपालकों के द्वारा पर पशुचिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन नं.-1962 पर सम्पर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

### मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को दिन में 15 से 16 घंटे प्रकाश उपलब्ध करायें। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। चूजों को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें।

### मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से मिले मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, 24 जनवरी, 2026 को हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी जारी की गई है।
--

### प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सूचित किया जाता है कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए रबी की खड़ी फसलों में सिचाई एवं खरपतवारनाशी का छिड़काव स्थगित रखें। सरसों, चना, राजमा, मटर आदि फसलों को शीत लहर/पाला से बचाव के लिए सल्प्यूरिक एसिड 0.1 % 1 लीटर की दर से 1000 लीटर पानी में धोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
---

**Farmers are advised to download Unified ♦Mausam♦ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.**

**Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>**

**Meghdoot MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>**

**Damini MobileApp link : <https://play.google.com/store/apps/details/>**